RAF SECTOR
NEWS CLIP
23/01/20

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Hindustan , Meerut (UP)

रैपिड एक्शन फोर्स-108 बटालियन परिसर में ट्रेनिंग का समापन, भीड़ नियंत्रण में ट्रेंड हुए जम्मू-कश्मीर के जवान

आरएएफ जैसे संसाधन जुटाएगी जम्मू-कश्मीर पुलिस

प्रशिक्षण पूरा

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

घाटी में भीड़ नियंत्रण करने के लिए अब जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ की इकाई रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) जैसे संसाधन जुटाएगी। दंगा नियंत्रण में काम आने वाले वज्र वाहन जैसे कई संसाधन वहां की पुलिस का हिस्सा बनेंगे। उच्च स्तर पर इसकी सहमति बन गई है। बाकायदा इन उपकरणों को चलाने के लिए घाटी के जवानों को ट्रेनिंग दी गई है।

मंगलवार को आरएएफ-108 बटालियन में पहुंचे आईजी अरुण कुमार ने यह जानकारी दी। आरएएफ के रैपो इंस्टीट्यूट में भीड़ नियंत्रण पर 14 दिन तक चले इंटरनेशनल कोर्स का हिस्सा बनकर जम्मू-कश्मीर पुलिस के 300 जवान मंगलवार को यहां से विदा हो गए। अभी तीन और चरणों में यहां की पुलिस के 900 जवानों को ट्रेंड किया जाएगा। आईजी अरुण कुमार ने कहा कि मेरठ और कश्मीर का इतिहास बेहद पुराना है। मेरठ में 1857 की क्रांति शुरू हुई थी। यहीं से हिन्दू-मुस्लिम एकता की नींव रखी गई थी।

अब यहीं से ट्रेनिंग लेकर जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान घाटी में शांति की क्रांति लाएंगे। आईजी ने कहा कि वे चाहते हैं कि आरएएफ की तरह जम्मू-कश्मीर पुलिस की भी विशेष बटालियन बने, जो दंगा नियंत्रण में दक्ष हो। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस के ट्रेनी जवानों से कहा कि वह घाटी के रहने वाले हैं। उसकी पृष्ठभूमि को अच्छे ढंग से जानते हैं। कश्मीर के दंगों की स्थिति दूसरे स्थानों से एकदम भिन्न है। उम्मीद है कि इस ट्रेनिंग के बाद पुलिस के जवान दंगे जैसी समस्याओं से और बेहतर ढंग से निपट सकेंगे। आईजी ने कहा कि हम मारने की ट्रेनिंग नहीं देते। यह बताते हैं कि कम से कम में कैसे काम चलाया जाए। 14 दिवसीय ट्रेनिंग में विभिन्न वर्गों में अव्वल आए जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। संचालन उप कमांडेंट शिल्पा कुमार ने किया। आरएएफ-108 के कमांडेंट शैलेंद्र कुमार, डिप्टी कमांडेंट संजय कुमार, पवनदेव गौड, असिस्टेंट कमांडेंट सोनिया, सलमान, कौशल चौधरी, पवन अक्कूजी, विनेशपाल सिंह, डॉ.दीपिका मौजूद रहे।

आरएएफ-108 बटालियन में जम्मू कश्मीर के अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

14 दिन तक चले इंटरनेशनल कोर्स का हिस्सा बनकर जम्मू-कश्मीर पुलिस के 300 जवान मंगलवार को मेरठ से विदा हुए।

अब जिम्बॉब्वे-श्रीलंका का दल आएगा

आरएएफ आईजी अरुण कुमार ने बताया कि मेरठ में आरएएफ के रैपो इंस्टीट्यूट में पहले चरण में म्यांमार पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को दंगा नियंत्रण की ट्रेनिंग दी गई। दूसरे चरण में जम्मू-कश्मीर पुलिस के 300 ट्रेनी जवान आए। अभी वहां के 900 और जवानों को ट्रेनिंग मिलेगी। उसके बाद जिम्बॉब्वे व श्रीलंका के पुलिस अधिकारियों का दल यहां पर आएगा।

आरएएफ-108 के कमांडेंट शैलेंद्र कुमार ने कहा कि रैपो देश का पहला इंस्टीट्यूट है जो भीड़ और दंगा नियंत्रण की ट्रेनिंग देता है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के 300 जवानों को 14 दिन की ट्रेनिंग देने का मकसद था कि वह कानून व्यवस्था में बेहतर सोच-समझ के साथ ड्यूटी कर सकें। दंगा नियंत्रण में दक्ष बन सकें।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर हमेशा से डिस्टर्ब रहा है। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान यहां कभी स्थिरता नहीं चाहता। ऐसे में घाटी में चुनौतियां बढ़ी हैं। हालांकि धारा-370 हटने के बाद कुछ माहौल ठीक हुआ है। कमांडेंट ने कहा कि घाटी में सीआरपीएफ, आर्मी और जम्मू कश्मीर पुलिस मिलकर शांति व्यवस्था बना रही हैं। अब इस ट्रेनिंग से और बेहतरी आएगी।

घाटी में चुनौतियां बढ़ीं : कमांडेंट

Dainik Jagran , Meerut (UP)

कश्मीर में वर्दीवालों की बहुत शहादत हुई : आइजी

जागरण संवाददाता, मेरठ : जम्मू-कश्मीर में वर्दीवालों की बहुत शहादत हुई है। हालांकि वक्त के साथ वहां के हालात में काफी बदलाव आया है। 370 के बाद तो स्थिति में सुधार हुआ है। जेएंडके के 300 पुलिसकर्मी आरएएफ में दंगा नियंत्रण के गुर सीखकर जाएंगे तो पहले से बेहतर पुलिसिंग करेंगे। यह बातें वेदव्यासपुरी स्थित आरएएफ परिसर में जेएंडके पुलिस के प्रशिक्षण के समापन के दौरान आरएएफ के आइजी अरुण कुमार ने कहीं।

आरएएफ के रेपो सेंटर में भीड़ नियंत्रण के गुर सीखने के लिए जेएंडके पुलिस के तीन सौ जवान, 12 दारोगा और एक डीएसपी सात जनवरी को आए थे। आठ जनवरी से उनका 12 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। मंगलवार को प्रशिक्षण का आरएएफ में समापन हो गया। इस दौरान आइजी अरुण कुमार ने कहा कि पहली बार में तीन सौ जवानों का ग्रुप आया था। इसी क्रम में तीन और ग्रुप तीन-तीन सौ के आएंगे। 1200 जवानों और अधिकारियों के प्रशिक्षण के बाद वे और बेहतर ढंग से पुलिसिंग कर सकेंगे। उन्होंने प्रशिक्षण शिविर के दौरान बेहतर करने वाले तीन जवानों रवि कुमार, मंसूर अहमद मीर और इमरान अहमद को सम्मानित किया।

असिस्टेंट कमांडेंट सोनिया ने बताया कि जेएंडके के जवानों को पहले दिन फिजिकल एक्टीविटी के साथ योगा का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान उनको भीड़ नियंत्रण, आइपीसी और मानवाधिकार की जानकारी दी गई। पोलीकार्बोनेट लाठी-शील्ड, सीढ़ी चढ़ना, बॉडी प्रोटेक्टर पहनना, गैस मास्क लगाना, एके-47, गैस गन, दंगे के दौरान आग से बचाव और ब्रज वाहन आदि की जानकारी दी गई।

आरएएफ के सूत्र वाक्य से की शुरुआत

उप कमांडेंट शिल्पा कुमार ने समापन कार्यक्रम की शुरुआत आरएएफ के सूत्र वाक्य 'आज हूं बीते कल से अच्छा, कल होऊंगा आज से भी अच्छा' से की। इस दौरान उन्होंने जवानों के 12 दिवसीय प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी। बताया कि जवानों को योग से लेकर एके 47 तक की जानकारी दी गई। साथ ही वज्र वाहन के बारे में भी बताया गया।

जिंबाव्वे से भी चल रही बात

आइजी अरुण कुमार ने बताया कि पिछले दिनों दंगा नियंत्रण के गुर सीखने के लिए म्यांमार से एक दल आया था। अब जेएंडके पुलिस के जवान आए थे। तीन दल और आने हैं। इसके अलावा जिंबाव्वे से भी बात चल रही है। वहां से भी एक दल दंगा नियंत्रण की बारीकियां सीखने के लिए आ सकता है। साथ ही श्रीलंका से भी बात चल रही है।

Amar Ujala , Meerut (UP)

'हम भीड़ नियंत्रण की ट्रेनिंग देते हैं, मारने की नहीं'

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। आरएएफ की 108 बटालियन स्थित अकादमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर (रैपो) में मंगलवार को जम्मू कश्मीर के 300 जवानों के प्रशिक्षण पूरा किया। समापन कार्यक्रम में आरएएफ के आईजी अरुण कुमार भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम किसी को मारने की ट्रेनिंग नहीं देते, आरएएफ सिर्फ भीड़ को नियंत्रित करने की ट्रेनिंग देती है। इस दौरान जान, माल का जितना कम नुकसान हो, वही हमारी सफलता है।

अकादमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर में प्रशिक्षण के समापन पर बोले आईजी आरएएफ

आईजी आरएएफ अरुण कुमार और कमांडेंट।

रैपो को दो माह पहले ही देश के एक मात्र दंगा नियंत्रण प्रबंधन संस्थान का दर्जा मिला है। म्यांमार पुलिस अधिकारियों के बाद जम्मू कश्मीर पुलिस प्रशिक्षण लेने वाली पहली राज्य पुलिस बनी है। आईजी अरुण कुमार ने बताया कि जम्मू कश्मीर पुलिस के अन्य बैच और अधिकारियों के अलावा दूसरे राज्यों की पुलिस भी यहां प्रशिक्षण लेगी। उन्होंने कहा कि आरएएफ सीआरपीएफ की विंग है। भीड़ नियंत्रण में आरएएफ की अलग पहचान है। उसने जनता में अलग विश्वास जगाया है। आरएएफ विदेश में सेवा देती रही है। यह इंस्टीट्यूट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान स्थापित करेगा। रैपो में भीड़ नियंत्रण पर 12 दिवसीय इंटरनेशनल कोर्स 8 जनवरी से शुरू हुआ था। इस दौरान आरएएफ कमांडेंट शैलेंद्र कुमार, डिप्टी कमांडेंट शिल्पा कुमार, डिप्टी कमांडेंट संजय कुमार मौजूद रहे। वहीं प्रशिक्षण देने वाले में डिप्टी कमांडेंट पवन देव गौड़, असिस्टेंट कमांडेंट सोनिया सिंह, सलमान, कौशल चौधरी, पवन अखौजी, दिनेशपाल सिंह, डॉ. दीपिका मौजूद रहे।

आरएएफ अफसरों ने जवानों में भरा जोश

मेरठ। प्रशिक्षण समापन समारोह में जम्मू कश्मीर पुलिस के जवानों में आरएएफ के अधिकारियों ने जोश भर दिया। कमांडेंट शैलेंद्र कुमार ने कहा कि जम्मू कश्मीर में पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। वहां पुलिस और सीआरपीएफ मिलकर काम करती हैं। 370 हटने के बाद वहां का माहौल सुधरा है। आईजी आरएफ अरुण कुमार ने बताया कि 1990 में मेरी पोस्टिंग कश्मीर में थी। उस समय के हालात आज भी मेरे जहन में हैं। कश्मीर 24 घंटे में कई रंग बदलता है। वहां कानून व्यवस्था अलग अलग रंगों में दिखाई देती है। 370 खत्म होने पर सुरक्षा के लिए वहां हमारी 14 कंपनी तैनात की गई। आर्मी की कुछ यूनिट भी वहां तैनात हैं। अरुण कुमार ने कहा कि जम्मू कश्मीर में दंगों की अलग स्थिति है। वहां अपने ही भटके हुए लोग हैं, जो कानून व्यवस्था हाथ में लेने की कोशिश करते हैं।

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।